

मुक्तिमार्ग

श्रीयुत श्यामचरणदासाचार्यमहाराज के परम प्रिय
शिरोभाषी शिष्य श्रीमद्गुरुभक्तानन्द महाराज
स्वामी रामरूपजी रचित

श्रीमान् पंडित शिवदयालु गौड़ हरिसम्बन्धी
नाम सरसमाधुरीशरण जयपुरनिवासी ने
स्वरचित जीवनचरित्र श्रीस्वामी
रामरूपजी महाराज सहित प्रेमी
भक्तों के परमानन्द लाभार्थ

—२५—

बाबू मनोहरलाल भार्गव, बा. ए., मुंबई-४० के प्रबन्ध से

मूल्य मजलद १/-) बिता मिलद १=)